BABA MASTNATH UNIVERSITY

ASTHAL BOHAR, ROHTAK

Public Relations Office

Name of the Publication ....Hari Bhoomi..

Date ..27/11/2024.......... Page ....XII................ Column ......B3.......................

Subject ..संविधान लोकतंत्र का संरक्षक: प्रो० एचएल वर्मा..

संविधान लोकतंत्र का संरक्षक : प्रो. एचएल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में संविधान दिवस 2024 के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) एचएल वर्मा के कुशल नेतृत्व में एक भव्य और शैक्षणिक आयोजन किया। इस विशेष अवसर पर संविधान के महत्व और उसकी उपयोगिता पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अर्चना सिन्हा (पूर्व एडीजे) ने छात्रों और शिक्षकों को संबोधित किया। डॉ. अर्चना सिन्हा ने कहा, "हर साल 26 नवंबर को भारतीय संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में संविधान दिवस मनाया जाता है। यह दिन संविधान निर्माताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और भारतीय लोकतंत्र की आधारशिला को समझने का अवसर प्रदान करता है।" उन्होंने संविधान सभा के कार्य और 1946 में कैबिनेट मिशन योजना के तहत संविधान निर्माण प्रक्रिया को विस्तार से समझाया।

■ बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में संविधान दिवस पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर सम्बोधन करते कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) एच.एल. वर्मा।

छात्रों और शिक्षकों को किया संबोधित

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) एचएल. वर्मा ने छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा, "भारत का संविधान न केवल हमारे देश का सर्वोच्च कानूनी दस्तावेज है, बल्कि यह हमारे लोकतंत्र का संरक्षक भी है। यह सरकार की संरचना, प्रक्रियाओं, शक्तियों और नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों को परिभाषित करता है। भारतीय संविधान संसदीय सर्वोच्चता के बजाय संवैधानिक सर्वोच्चता प्रदान करता है, क्योंकि इसे संविधान सभा ने तैयार किया और इसे जनता द्वारा अपनाया गया। यह हमारे राष्ट्र के मूलभूत सिद्धांतों और नागरिक अधिकारों का संरक्षक है।